

**पतियाना अ.क्रि.** (देश.) 1. विश्वास करना, सच मानना 2. किसी व्यक्ति को विश्वसनीय समझना।

**पतियार वि.** (देश.) विश्वास करने लायक, विश्वसनीय पुं. विश्वास, एतबार।

**पतियारा पुं.** (देश.) पतियाने का भाव, विश्वास, एतबार।

**पतियारी स्त्री.** (देश.) विश्वास, एतबार।

**पतिवती स्त्री.** (तद्.) सधवा, सौभाग्यवती।

**पतिवत्नी स्त्री.** (तत्.) सौभाग्यशाली स्त्री, जीवित पति वाली स्त्री, पतिवन्ती।

**पतिव्रत पुं.** (तत्.) 1. पति में पत्नी की अनन्य प्रीति या भक्ति, पति के प्रति पत्नी का निष्ठापूर्ण अनुक्षण, जीवन बिताना।

**पतिव्रता सं.वि.** (तत्.) 1. पति में अनन्य अनुराग रखते हुए उसकी सेवा करने वाली 2. हर तरह से पति के अनुकूल आचरण करने वाली 3. पति ही जिसका एकमात्र प्रेमपात्र, आराध्य तथा उपास्य हो 4. पति धर्म ही जिसका व्रत हो 5. सचचरित्र, पत्नी।

**पतिष्ठ वि.** (तत्.) अत्यंत पतित या पतन शील, जो गिरने की ओर उन्मुख हो।

**पतीरी स्त्री.** (देश.) एक प्रकार की चटाई।

**पतीला वि.** (तद्.) पतला पुं. बड़ी पतीली दे. पतीली।

**पतीली स्त्री.** (देश.) 1. हाँडी, ताँबे या पीतल आदि का बना एक बर्तन जो खाना पकाने के काम आता है 2. ऊँचे खड़े किनारे वाला एक बरतन।

**पतुकी स्त्री.** (देश.) हाँड़ी, हँडिया, पतीला।

**पतुरिया स्त्री.** (देश.) 1. नाचने-गाने का धंधा करने वाली स्त्री, वेश्या, रंडी, कुलटा 2. व्यभिचारिणी स्त्री, छिनाल औरत।

**पतुही स्त्री.** (देश.) समय से पहले तोड़ ली जाने वाली छोटे दानों वाली मटर की फली।

**पतोखर स्त्री.** (देश.) किसी वृक्ष, पौधे, पत्ते या फूल आदि के रूप में प्राप्त औषधि, दवाई।

**पतोखा पुं.** (देश.) 1. दोना, पत्ते का बना पात्र 2. पत्तों से बना छाता 3. बगुले जैसा एक पक्षी।

**पतोखी स्त्री.** (देश.) 1. पत्ते का दोना, छोटा दोना 2. पत्ते का बना छोटा छाता।

**पतोहू स्त्री.** (तद्.) पुत्रवधू, बेटे की पत्नी।

**पतौआ पुं.** (देश.) पत्ता, पर्ण।

**पत्तंग पुं.** (तद्.) पतंग नाम की एक लकड़ी, बक्कम।

**पत्तन पुं.** (तत्.) 1. शहर, नगर, कस्बा 2. मृदंग।

**पत्तर पुं.** (तद्.) 1. धातु से बना कागज की तरह का लचीला पतला टुकड़ा जिसे पीट-पीटकर तैयार किया जाता है यथा- मंदिर के गुंबदों पर सोने की पत्तर चढ़ी है 2. वर्क, जो सोने या चाँदी को पीट कर बनाया जाता है।

**पत्तल स्त्री.** (तत्.) 1. पत्तों को सींको से जोड़कर थालीनुमा आकार में बनाया गया पात्र, पलाश या महुआ आदि के पत्तों से बना गोल पात्र जिसमें रखकर कुछ भी खाया जा सके 2. पत्तल पर परोसे गए खाद्य पदार्थ 3. एक व्यक्ति के खाने योग्य भोजन या पदार्थ यथा- पाँच पत्तल लगा दो या परोस दो 4. किसी की जूठी की हुई सामग्री, उच्छिष्ट भोजन मुहा. पत्तल खोलना/ बाँधी पत्तल खोलना- ऐसा कार्य करना जिसकी पूर्ति के पहले भोजन न करने की शपथ ली गई हो; पत्तल बाँधना- कोई पहेली या प्रश्न बूझना तथा उसका उत्तर देने से पूर्व भोजन न करने की शपथ देना; पत्तल पड़ना- खाने के लिए पंक्ति में पत्तलें बिछाना; पत्तल परोसना- खाने वालों के समक्ष पत्तल रखना; पत्तल में खाना- किसी के साथ खान-पान का संबंध बनाना; जिस पत्तल में खाना, उसी में छेद करना- अपने संरक्षक या पालक का अपकार या अहित करना।

**पत्ता पुं.** (तद्.) 1. पर्ण, पेड़-पौधों के तनों-शाखाओं में लगने वाले पत्ते मुहा. पत्ता खड़कना- किसी